प्रेषक,

महानिदेशक,
परिवार कल्याण, उ0प्र0
जगत नारायन रोड, लखनऊ।

सेवा में,

समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक : प0क0/एन0आर0एच0एम0/2012-13/ दिनांक : 30.04.12

विषयः आर0सी0एच0 किट-ए की आपूर्ति व रक्त अल्पता नियंत्रण कार्यक्रम हेतु किट-ए में प्राप्त आई0एफ0ए0 सीरप व टेबलेट के वितरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

आप अवगत ही है कि शिशुओं, किशोर/किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं में रक्त अल्पता उनके स्वास्थ्य एवं विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे सीधे तौर पर परिवार एवं समाज के सदस्यो की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। रक्त अल्पता अधिक होने पर रोगी को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं में 52 प्रतिशत किशोरियों में 48.6 प्रतिशत, 3 वर्ष तक बच्चो में 85 प्रतिशत रक्त अल्पता पायी गयी है, जो एक चिन्ता का विषय है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे 2005-06 के आंकड़ो के अनुसार उत्तर प्रदेश में 10 में से 8 बच्चे रक्त अल्पता (एनीमिया) से ग्रसित है।

रक्त अल्पता दूर करने के उद्देश्य से रक्त अल्पता नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे है-

1. प्रसवपूर्व सेवाओ में गर्भवती महिलाओं के लिये 100 आयरन फोलिक एसिड गोलियों का वितरण।
2. स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के माध्यम से प्राईमरी स्कूल के बच्चो (6 से 10 वर्ष) को प्रति सप्ताह दो आयरन फोलिक एसिड गोलियों का वितरण।
3. सलोनी स्वास्थ्य किशोरी योजना में किशोरियों (10 वर्ष से 19 वर्ष) के लिये के सप्ताह में एक बार आयरन फोलिक एसिड गोलियों का वितरण।
4. आई0सी0डी0एस0 के सबला कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित जनपदों में स्कूल जाने वाली एवं स्कूल न जाने वाली किशोरियों के लिये सप्ताह में एक बार आयरन फोलिक एसिड गोलियों का वितरण।
5. 6 माह के शिशुओं एवं 5 वर्ष तक के बच्चो के लिये सप्ताह में दो बार आयरन सिरप/आयरन टेबलेट की व्यवस्था।

ऊपर दिये गये कार्यक्रमो एवं योजनाओं के लिये अलग-अलग रणनीति एवं दिशा-निर्देश जारी किये गये है। 6 माह के शिशुओं से 60 माह (5 वर्ष) के बच्चों में

रक्त अल्पता को दूर करने एवं समस्या से निपटने के लिये निम्न योजना तैयार की गई है--

1- 6 माह-5 वर्ष तक के बच्चों को भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयरन सिरप/टेबलेट से आच्छादित करना।

2- भारत सरकार के दिशा-निर्देश (पत्र संख्या-Z28020/50/2003-CH, दिनांक 23.04.2007) के अनुसार 6 माह से 60 माह के सभी बच्चो को 20 मिग्रा. एलीमेंटल आयरन और 100 माइक्रोग्राम फोलिक एसिड की खुराक देना।

3- माताओं को गर्भावस्था के दौरान आयरन युक्त आहार एवं छः माह तक के शिशु का केवल स्तनपान व आयरन युक्त पूरक आहार को शामिल करने हेतु पोषण परामर्श देना।

<u>आयरन सिरप आपूर्ति सम्बन्धी जानकारीः</u>

- भारत सरकार द्वारा प्रदेश के जनपदों में उपकेन्द्रो के लिये किट 'ए' की आपूर्ति की जा रही है।
- प्रत्येक किट 'ए' में 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिये 400 बोतलें आयरन सिरप की तथा 13000 आयरन की छोटी गोलियां है। यह मात्रा प्रत्येक उपकेन्द्र के 530 (छः माह से पांच वर्ष तक के) बच्चो के लिये एक बार पहुंचने के लिये पर्याप्त है। यदि उपकेन्द्र को साल में दो किट की प्राप्ति होती है तो कम से कम 1000 बच्चो को आयरन सिरप/गोली की 100 खुराकें मिल सकती है।
- प्रत्येक बोतल 100 मि0लि0 की है। हर 1 मि0ली0 में बच्चों को 20 मि0ग्रा0 एलीमेंटल आयरन तथा 100 माइक्रोग्राम फोलिक एसिड प्राप्त होगा। इसी प्रकार हर छोटी गोली 100 मि0ग्रा की है और उस से भी 20 मि0ग्राम एलीमेंटल आयरन तथा 100 माइक्रोग्राम फोलिक एसिड मात्रा आयरन प्राप्त होगी।
- आयरन की खुराक आई0एम0एन0सी0आई0 परियोजना के दिशा निर्देशो के आधार पर दी जानी है। आई0एम0एन0सी0आई0 के निर्देशानुसार 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चो को यह सिरप/छोटी गोलियां वर्ष में 100 दिन (सप्ताह में दो बार) तक दी जानी है।
- सर्वेक्षण बताते है कि सप्ताह में दो बार देने से शरीर द्वारा आयरन का ग्रहण तथा अभिभावको द्वारा अनुपालन सुविधाजनक होता है। इस प्रकार वर्ष में 52 सप्ताह में दो बार आयरन की खुराक दी जा सकती है।
- प्रत्येक किट 'ए' में गर्भवती के लिये 15000 आयरन फोलिक एसिड की बड़ी गोलियां है। प्रत्येक उपकेन्द्र पर 530 गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने के लिये यह मात्रा पर्याप्त है।

## खुराक सम्बन्धी निर्देश

- आयरन फोलिक एसिड सम्पूरण 6 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों के लिये रक्त अल्पता दूर करने तथा रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिये किया जाना है।
- *आयुवर्ग*– छः माह से 60 माह (5 वर्ष) तक के बच्चे।
- *खुराक की मात्रा और देने का तरीका*
  - 1एम.एल. आयरन सीरप प्रत्येक सप्ताह में दो बार 52 सप्ताह (100 दिन) तक के लिये है।
  - आयरन सीरप की बोतल साथ दी गयी चम्मच का प्रयोग में लाते हुये 1 एम.एल. निशान तक आयरन सीरप भर कर बच्चे को देना है। यह मात्रा सप्ताह में दो बार के हिसाब से साल भर तक दी जानी है (52 सप्ताह×2 बार प्रति सप्ताह= 100 खुराक)
- 4 वर्ष से बड़े बच्चो के लिये आयरन की छोटी गोलियों का प्रयोग भी किया जा सकता है।

## ध्यान रखने योग्य बातें

- बोतल के साथ दी गयी चम्मच का प्रयोग करे।
- आयरन सिरप व टेबलेट का धूप से बचाव करे।
- यदि बच्चे को बुखार या फिर बच्चा अधिक कुपोषित है तो आयरन सिरप न पिलायें। बच्चे का वजन या स्वास्थ्य सामान्य होने पर ही आयरन सिरप पिलाना शुरू करे।
- बीमारी से ठीक होने के बाद आयरन सिरप/गोलियां तभी दें अगर पिछले एक वर्ष में 100 दिन के लिये बच्चो वाली आई0एफ0ए0 की गोलियां/सिरप नही ली है।

## स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा अभिभावको को दिये जाने वाले मुख्य संदेश

- गर्भवती मां 100 गोलियों का सेवन अवश्य करे क्योकि मां यदि एनीमिक होगी तो बच्चे में एनीमिया की सम्भावना बढ़ जाती है।
- परिवार का एक सदस्य जो बच्चे को नियमित रूप से आयरन फोलिक सिरप/गोलियां दें उसकी पहचान करे। गृह भ्रमण के समय परिवार के सदस्य से समय – समय पर नियमित खुराक के बारे में जानकारी प्राप्त करे कि खुराक भूली तो नही है।
- बच्चे को खाना खाने के बाद ही 1 एम.एल. आयरन सिरप पिलायें। यह ध्यान रहे कि बच्चेको खाली पेट आयरन सिरप कभी भी न पिलायें।

- आयरन सिरप लेने से बच्चे के स्वास्थ्य एवं उनके खून में बढ़ोत्तरी होगी, बच्चों का बौद्धिक एवं शारीरिक विकास होगा और साथ ही बच्चे की भूख भी बढ़ेगी।
- माँ/बच्चे की देखभाल करने वाले को समझायें कि आयरन सीरप पिलाने से बच्चे को काला पैखाना हो सकता है और यह सामान्य बात है। इससे घबराना नहीं चाहिये और सप्ताह में दो बार 1एम.एल. आयरन सीरप पिलाते रहना चाहिये।
- यदि बच्चे को तेज बुखार हो, तो आई0एफ0ए0 सीरप पिलाना बन्द कर दें तथा जब बच्चा ठीक हो जाये तो आई0एफ0ए0 सीरप पिलाना पुनः प्रारम्भ कर दे।

कार्यक्रम क्रियान्वयन सम्बन्धी निर्देश

- मातृत्व एनीमिया कार्यक्रम मुख्य चिकित्साधिकारी तथा ब्लाक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की देखरेख व उचित मार्ग दर्शन में किया जायेगा।
- प्रत्येक उपकेन्द्र क्षेत्र के अन्दर आने वाले गांवो की जनसंख्या पर आधारित छः माह से 5 वर्ष तक के बच्चो की गणना करवा ली जाय। इस हेतु बाल स्वास्थ्य पोषण माह के लिये तैयार की गई 5 वर्ष तक के बच्चो की सूची तथा नियमित टीकाकरण के लिये तैयार सूचो को भी प्रयोग में लाया जा सकता है।
- नियमित टीकाकरण सत्र/ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण माह दिवस (VHND) के दिन महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री (ANM) अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी एवं आशा के सहयोग से गांव के सभी बच्चे (6 माह से 60 माह) की माताओं व परिवारो के ऐसे जिम्मेवार सदस्य जो बच्चे की देखभाल करता हो उसे आंगनबाड़ी केन्द्र में एकत्रित कर आयरन सीरप के फायदे एवं पिलाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बतायें। साथ ही साथ बच्चे को पहली खुराक पिला कर दिखायें।
- केन्द्र पर आये सभी माता/बच्चे की देखभाल करने वाले को एक आयरन सिरप (Iron Syrup) की बोतल दें दें ताकि आगे से वह स्वयं बच्चे आयरन सीरप पिला सके। आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री गृह भ्रमण कर यह सुनिश्चित करे कि बच्चे को सप्ताह में दो बार आयरन सिरप, बोतल के साथ दी गई चम्मच से पिलायी जा रही है। जिन बच्चो का सीरप प्राप्त कराई गयी है, टीकाकरण रजिस्टर में उनके नाम के आगे इस सूचना का चिन्ह (√) लगा दें।
- अगले टीकाकरण सत्र के दौरान ए0एन0एम0 क्षेत्र की आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री से सिरप के उपभोग के बारे में सलाह लें।
- महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री (ANM) आयरन सीरप वितरण की सूची प्रत्येक माह प्रभारी चिकित्साधिकारी को उपलब्ध करायें जिससे कि चिकित्सा अधिकारी इस सूचना को (HMIS) में सम्मिलित कर सके। प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की रिपोर्ट को मुख्य चिकित्साधिकारी को भेजे एवं

जिला स्तर पर सारे सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की रिपोर्ट संकलित कर प्रत्येक माह 2 तारीख तक परिवार कल्याण निदेशालय को भेजे।

**अनुश्रवणः**

1. इस पत्र की एक प्रति समस्त अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्राप्त करा दे।
2. जिला स्तर पर आयोजित मासिक बैठक में कार्यक्रम की जानकारी समस्त अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी को प्रदान की जाये। बैठक में कार्यक्रम की नियमित समीक्षा की जाये।
3. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री की आयोजित बैठक में आयरन सिरप तथा आयरन की छोटी गोलियों के सेवन के विषय में जानकारी दी जाय तथा प्रभारी अधिकारी द्वारा कार्यक्रम की नियमित समीक्षा की जाये।
4. समेकित बाल संरक्षण विकास परियोजना (आई0सी0डी0एस0) की बैठको में आंगनवाड़ी, मुख्य सेविकाओं तथा सी0डी0पी0ओ0 को जानकारी प्रदान कर सहयोग प्राप्त किया जाये।

**रिपोर्टिंगः**

1. दिये गये रिपोर्टिंग प्रारूप पर उपकेन्द्र से मासिक रिपोर्ट प्राप्त करे तथा इसको सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिले पर संकलित करे। स्टॉक स्थिति की सूचना HMIS में नियमित रूप से भर कर राज्य स्तर को प्राप्त करायें।

भवदीय

(चिरंजी लाल)
महानिदेशक

पत्रांक : प0क0/एन0आर0एच0एम0/2012-13/ [illegible] दिनांक : [illegible]

प्रतिलिपि- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
3. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0।
4. निदेशक, समेकित बाल विकास परियोजना, तृतीय तल, उत्तर प्रदेश।
5. समस्त मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश।
6. न्यूट्रीशन ऑफिसर, 3/194, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।

(चिरंजी लाल)
महानिदेशक

# एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम

## जिले की मासिक रिपोर्ट

जनपद का नाम.....

माह.....वर्ष.....

जनपद के अन्तर्गत आने वाले कुल ब्लाको की संख्या .....

उपभोग स्थिति

| ब्लाक/सामु0स्वा0केन्द्र/ प्रा0स्वा0केन्द्र का नाम | सामु0स्वा0केन्द्र/ प्रा0स्वा0केन्द्र में पंजीकृत 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चो की कुल संख्या | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में वितरण की स्थिति | | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में उपभोग की स्थिति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

स्टाक की स्थिति

| ब्लाक सा0स्वा0के0/ प्रा0स्वा0केन्द्र का नाम | पिछला अवशेष | | | वर्तमान में प्राप्त (किट-ए) | | | माह में वितरण | | | वितरण के बाद अवशेष की स्थिति | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त सिरप की बोतलों की संख्या | कुल प्राप्त छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित सिरप की बोतलो की संख्या | कुल वितरित छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयर की गोलिर की संख्या |
| | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | |

# एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम

## ब्लाक की मासिक रिपोर्ट

ब्लाक स्तरीय सामुदायिक/प्रा0स्वा0केन्द्र का नाम..... माह.....वर्ष.....

ब्लाक के अन्तर्गत आने वाले कुल उपकेन्द्रो की संख्या .....

उपभोग स्थिति

| उपकेन्द्र का नाम | उपकेन्द्र में पंजीकृत 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चो की कुल संख्या | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में वितरण की स्थिति | | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में उपभोग की स्थिति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

स्टाक की स्थिति

| उपकेन्द्र का नाम | पिछला अवशेष | | | वर्तमान में प्राप्त (किट-ए) | | | माह में वितरण | | | वितरण के बाद अवशेष की स्थिति | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त सिरप की बोतलों की संख्या | कुल प्राप्त छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित सिरप की बोतलो की संख्या | कुल वितरित छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या |
| | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | |

# एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम

## उपकेन्द्र की मासिक रिपोर्ट

उपकेन्द्र का नाम.....

माह.....वर्ष.....

उपकेन्द्र के अन्तर्गत आने वाले कुल गांवो की संख्या .....

उपभोग स्थिति

| उपकेन्द्र में पंजीकृत 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चो की कुल संख्या | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में वितरण की स्थिति | | पंजीकृत बच्चो में पिछले माह में उपभोग की स्थिति | |
|---|---|---|---|---|
| | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां | आयरन सिरप | आयरन की छोटी गोलियां |
| | | | | |

आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर

स्टाक की स्थिति

| पिछला अवशेष | | | वर्तमान में प्राप्त (किट-ए) | | | माह में वितरण | | | वितरण के बाद अवशेष की स्थि | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त सिरप की बोतलों की संख्या | कुल प्राप्त छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल प्राप्त बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित सिरप की बोतलो की संख्या | कुल वितरित छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | कुल वितरित बड़ी आयरन की गोलियों की संख्या | सिरप की बोतलो की संख्या | छोटी आयरन की गोलियों की संख्या | बड़ी आयर की गोलिय की संख |
| | | | | | | | | | | | |

ए0एन0एम0 का नाम